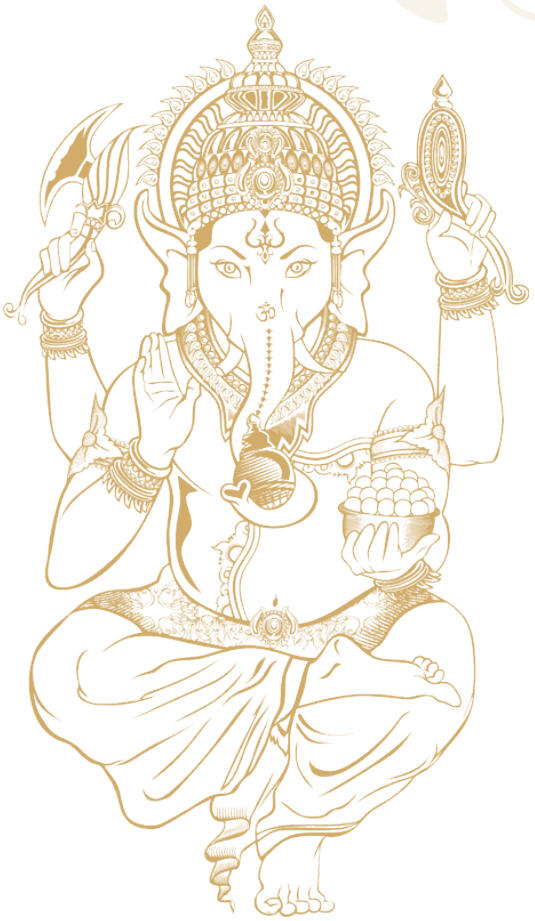

Mr.

07 Jul 1982

03:30 AM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 120900204

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/07/1982**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:30:00 घंटे**
इष्ट	55:06:54 घटी
स्थान	**Karnal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:07:56 घंटे
वेलान्तर	-00:04:36 घंटे
साम्पातिक काल	22:06:09 घंटे
सूर्योदय	05:27:14 घंटे
सूर्यास्त	19:25:59 घंटे
दिनमान	13:58:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:52:45 मिथुन
लग्न के अंश	22:55:26 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	वैधृति
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरव
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	22:55:26	357:08:56	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	---
सूर्य			मिथु	20:52:45	00:57:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	सम राशि
चंद्र			धनु	27:26:51	11:51:52	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			कन्या	22:01:36	00:27:54	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			मिथु	02:07:30	01:35:34	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	स्वराशि
गुरु			तुला	06:57:13	00:01:38	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	19:55:30	01:11:27	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	केतु	स्वराशि
शनि			कन्या	22:10:22	00:01:50	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	19:44:09	00:00:06	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	उच्च राशि
केतु	व		धनु	19:44:09	00:00:06	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	उच्च राशि
हर्ष	व		वृश्चि	07:25:27	00:01:34	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
नेप	व		धनु	01:32:26	00:01:30	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	00:30:33	00:00:05	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	05:48:30	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:30

लग्न-चलित

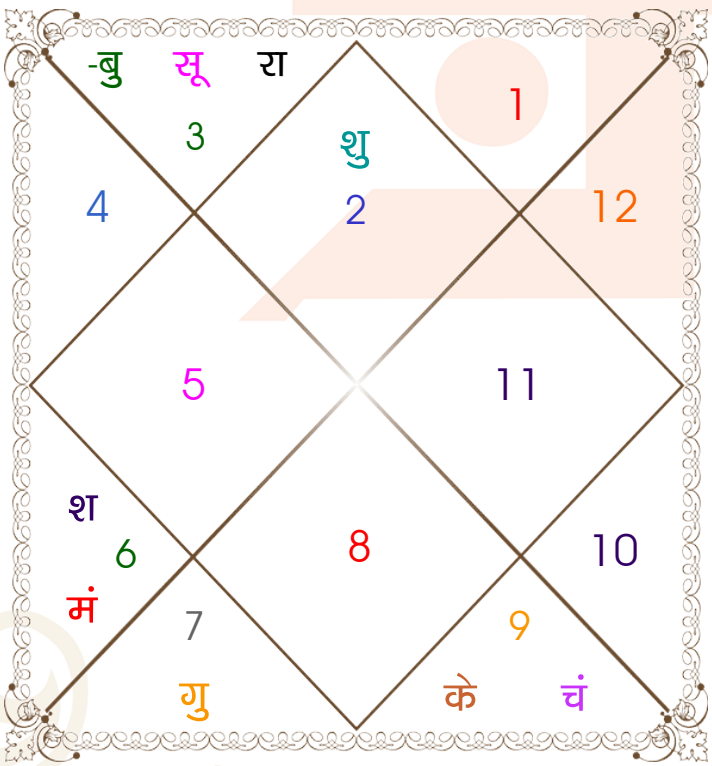

चन्द्र कुंडली

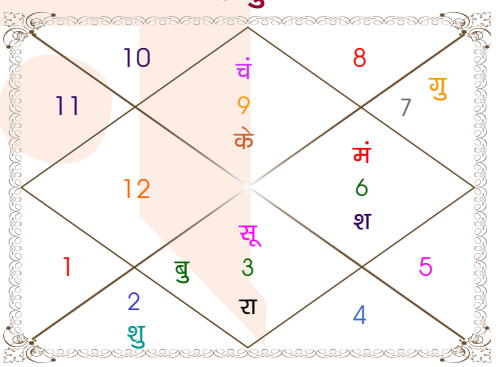

नवमांश कुंडली

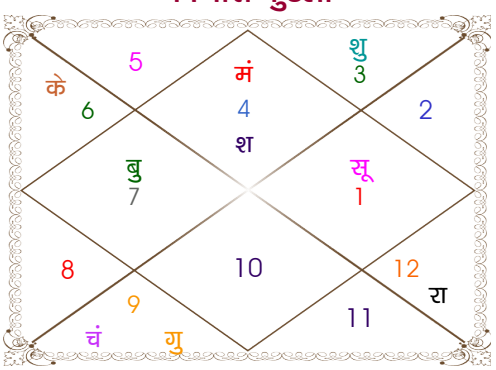

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 7 मास 23 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
07/07/1982		29/02/1988		28/02/1998		28/02/2005		01/03/2023	
29/02/1988		28/02/1998		28/02/2005		01/03/2023		01/03/2039	
	07/07/1982	चंद्र	29/12/1988	मंगल	27/07/1998	राहु	11/11/2007	गुरु	18/04/2025
चंद्र	17/12/1982	मंगल	30/07/1989	राहु	15/08/1999	गुरु	06/04/2010	शनि	30/10/2027
मंगल	24/04/1983	राहु	29/01/1991	गुरु	21/07/2000	शनि	10/02/2013	बुध	04/02/2030
राहु	18/03/1984	गुरु	30/05/1992	शनि	30/08/2001	बुध	30/08/2015	केतु	11/01/2031
गुरु	04/01/1985	शनि	29/12/1993	बुध	27/08/2002	केतु	17/09/2016	शुक्र	11/09/2033
शनि	17/12/1985	बुध	31/05/1995	केतु	23/01/2003	शुक्र	17/09/2019	सूर्य	30/06/2034
बुध	24/10/1986	केतु	30/12/1995	शुक्र	24/03/2004	सूर्य	11/08/2020	चंद्र	30/10/2035
केतु	01/03/1987	शुक्र	30/08/1997	सूर्य	30/07/2004	चंद्र	10/02/2022	मंगल	05/10/2036
शुक्र	29/02/1988	सूर्य	28/02/1998	चंद्र	28/02/2005	मंगल	01/03/2023	राहु	01/03/2039

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/03/2039		28/02/2058		01/03/2075		28/02/2082		01/03/2102	
28/02/2058		01/03/2075		28/02/2082		01/03/2102		00/00/0000	
शनि	03/03/2042	बुध	27/07/2060	केतु	28/07/2075	शुक्र	30/06/2085	सूर्य	19/06/2102
बुध	10/11/2044	केतु	24/07/2061	शुक्र	26/09/2076	सूर्य	30/06/2086	चंद्र	08/07/2102
केतु	20/12/2045	शुक्र	24/05/2064	सूर्य	01/02/2077	चंद्र	29/02/2088		00/00/0000
शुक्र	19/02/2049	सूर्य	30/03/2065	चंद्र	02/09/2077	मंगल	30/04/2089		00/00/0000
सूर्य	01/02/2050	चंद्र	30/08/2066	मंगल	29/01/2078	राहु	30/04/2092		00/00/0000
चंद्र	02/09/2051	मंगल	27/08/2067	राहु	16/02/2079	गुरु	30/12/2094		00/00/0000
मंगल	11/10/2052	राहु	16/03/2070	गुरु	23/01/2080	शनि	28/02/2098		00/00/0000
राहु	18/08/2055	गुरु	20/06/2072	शनि	03/03/2081	बुध	30/12/2100		00/00/0000
गुरु	28/02/2058	शनि	01/03/2075	बुध	28/02/2082	केतु	01/03/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 7 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरूप आप यथेष्ठ रूप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरूचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।